10 बुढ़िया के आशीर्वाद

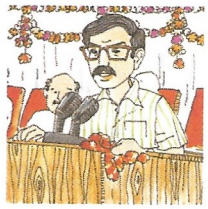

मेघा नामक एक गाँव था। वहाँ एक बुढ़िया रहती थी, उसका नाम रमती था। उसका पति तो तभी परलोक सिधार गया था, जब वह केवल तीस वर्ष की थी। उसके दो पुत्र भी असमय काल के ग्रास हो गए। एक लड़की थी जिसका ब्याह दूर किसी गाँव में हुआ था। अब वह ज़मीन की आध बटाई से जो आय होती, उसी से गुज़ारा कर लेती थी।

रमती दिन के समय कभी इस घर में तो कभी उस घर में चली जाती और बातें करके मन बहला लिया करती थी। परंतु रात उसके लिए भयंकर थी। ऊपर से बुढ़ापा, न कोई पानी पूछने वाला, न सहायता करने वाला।

एक दिन उसे बुखार चढ़ गया। वह अकेली ही खाट पर पड़ी रही। बुखार इतना तेज़ था कि उठने की हिम्मत ही न थी। उसका सिर चकरा रहा था। थोड़ी देर बाद उसे उल्टी आ गई।

पड़ोस में रहने वाला एक लड़का सुधीर बुढ़िया को प्रतिदिन देखने आता था। न जाने उसे उससे मोह-सा क्यों हो गया था। सुधीर स्कूल से आता, अपना बस्ता रखता और सीधा बुढ़िया के घर जाता। वह उससे कहता–"रमती दादी, मैं आ गया हूँ; मेरे योग्य कोई सेवा हो तो बताओ।"

प्रतिदिन की भाँति आज भी सुधीर उसके द्वार पर पहुँचा। दरवाज़ा बंद-सा था। उसने आवाज़ दी–"रमती दादी, मैं आ गया हूँ; मेरे योग्य कोई सेवा हो तो बताओ।"

आज उसे रमती से कोई उत्तर नहीं मिला। वह कुछ सोच में पड़ गया। उसने दरवाज़ा खोलकर अंदर देखा। रमती दादी बिस्तर पर बेहोश पड़ी थी। शरीर पर हाथ लगाकर देखा। शरीर तप रहा था। वह दौड़ा-दौड़ा वैद्य जी के पास गया।

सुधीर–"वैद्य जी, जल्दी चलिए। रमती दादी बेहोश पड़ी हैं। उन्हें तेज़ बुखार है।"

वैद्य–"उसकी दवाई का खर्च कौन देगा?"

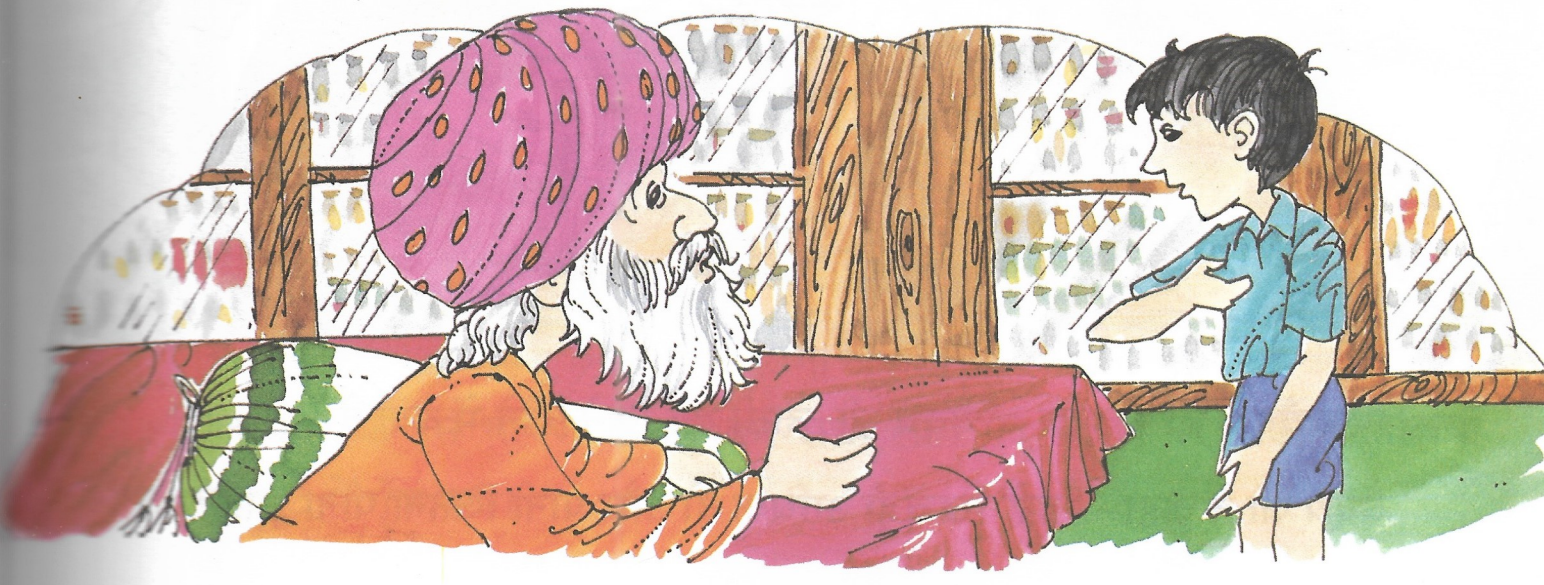

सुधीर–"वैद्य जी, इसकी चिंता न करें। आपकी फ़ीस और दवाई का खर्च मैं दूँगा।"

सुधीर वैद्य जी को साथ लेकर आ गया। वैद्य जी ने कहा–"पहले उल्टियाँ साफ़ करो। तब तक मैं इनको देखता-भालता हूँ।"

सुधीर ने शीघ्र सफ़ाई कर दी। तब वैद्य जी बोले–"थोड़ा पानी ले आओ। इनके शरीर में पानी की कमी हो गई है। दवाई मिलाकर रोगी को पानी पिलाऊँगा, तब दूसरी दवाई दूँगा।"

सुधीर हाथ धोकर पानी ले आया। वैद्य जी ने दवाई मिलाकर रोगी को थोड़ा-थोड़ा करके सारा पानी पिला दिया। शीघ्र ही वह होश में आ गई। उसने पूछा–"वैद्य जी को कौन लाया है?"

सुधीर–"दादी, तुम बेहोश थीं। मैं वैद्य जी को लाया हूँ।"

वैद्य जी दवाई की कुछ पुड़ियाँ बना रहे थे। तभी सुधीर की माता जी आ गईं। बोलीं–"बेटा, मुझे नहीं पता था कि रमती दादी बीमार हैं। तुमने अच्छा किया कि वैद्य जी को बुला लाए।"

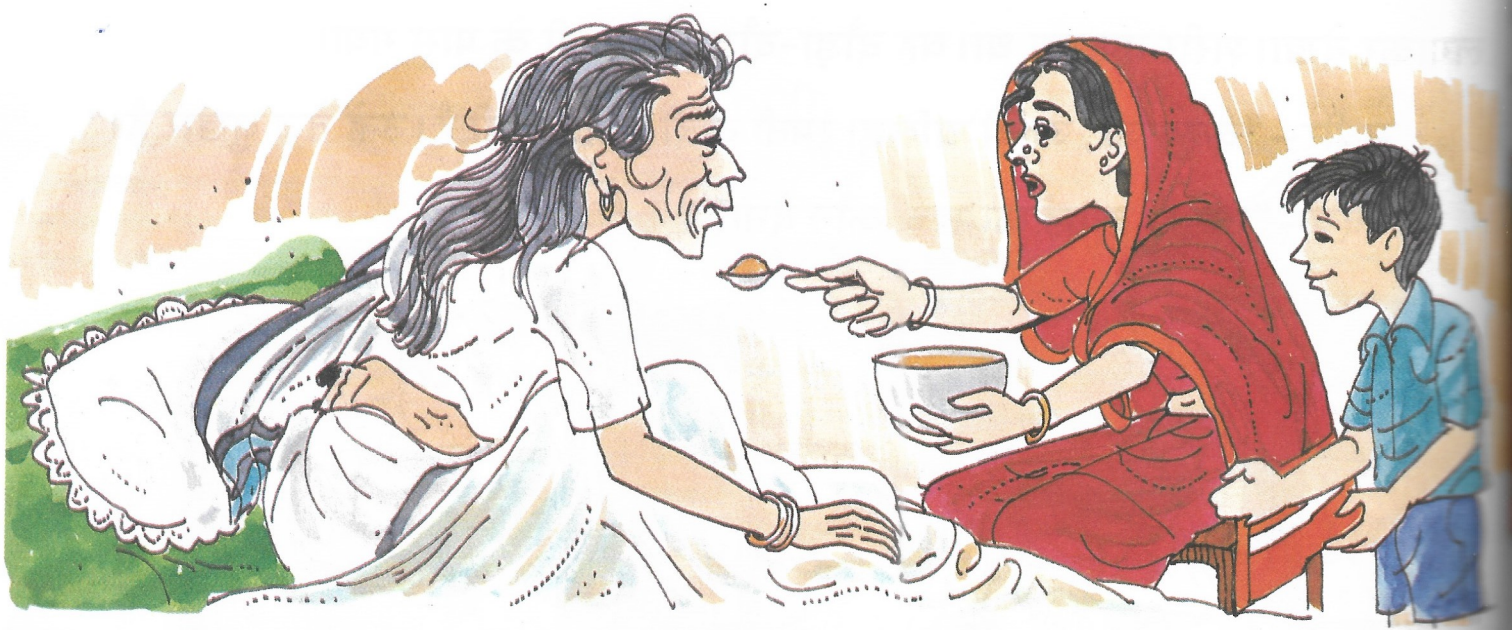

फिर वैद्य जी से पूछा–"वैद्य जी, दादी को खाने-पीने में क्या दें?"

वैद्य जी ने कहा–"इन्हें खिचड़ी अधिक दो और पानी जितना पीना चाहें, दो।"

सुधीर और उसकी माता की सेवा के कारण रमती दादी चार-पाँच दिनों में ही स्वस्थ हो गई। वह जब-जब सुधीर को देखतीं तो कहतीं–"सुधीर बेटा, तुममें जो दया और सेवा का भाव है, मैंने किसी में नहीं देखा। भगवान तुम्हें विद्वान, धनवान, यशस्वी, स्वस्थ एवं चिरायु बनाएँ।"

कहते हैं कि बुढ़िया के आशीर्वादों का ही फल था कि बड़े होकर सुधीर पढ़-लिखकर जिलाधीश के पद पर पहुँचा। एक बार जिले के लोगों ने उसके कामों से खुश होकर उसका अभिनंदन किया। तब सुधीर ने जो कुछ कहा वह सुनहरी अक्षरों में लिखने योग्य है–

"भाइयो, बहनो और प्यारे बच्चो! आप लोगों ने जो मेरा अभिनंदन किया है, मैं उसके लिए आप लोगों का धन्यवाद करता हूँ। परंतु आप लोगों को एक बात बताना चाहता हूँ कि मैंने जो कुछ भी उन्नति की है, वह उस बुढ़िया के आशीर्वाद का फल है, जिसे मैं रमती दादी कहा करता था। वह बेचारी अकेली थी और उसकी सेवा करना मैं अपना कर्तव्य समझता था। बंधुओ! यह अभिनंदन मेरा नहीं, बल्कि रमती दादी का है। आप भी दया और सेवा के धर्म को अपनाकर दूसरों का एवं अपना कल्याण करें।"

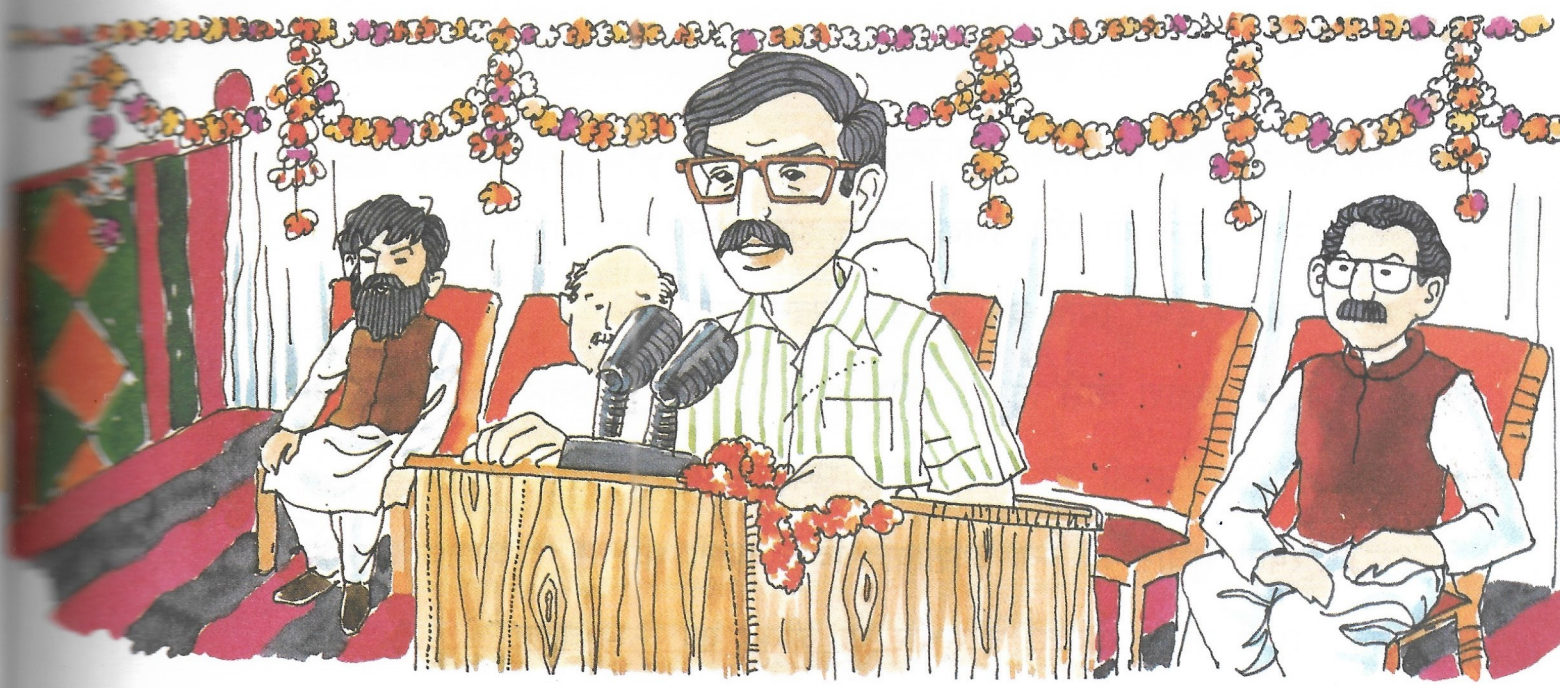

जिलाधीश के इस भाषण को सुनकर सभी लोग गद्‌गद हो गए। पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूँज उठा।

मौखिक प्रश्न

प्रश्नों के उत्तर बताइए –

(क) बुढ़िया कहाँ रहती थी? उसका क्या नाम था?

(ख) सुधीर स्कूल से आते समय किसके पास और क्यों जाता था?

(ग) सुधीर ने वैद्य जी को क्यों बुलाया?

(घ) रमती दादी किस प्रकार स्वस्थ हुईं?

(ङ) सुधीर ने दूसरों के तथा अपने कल्याण का क्या उपाय बताया? *(मूल्यपरक प्रश्न)*

अभ्यास

पाठ से प्रश्न

1. नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

(क) रमती कौन थी और उसकी घरेलू हालत क्या थी?

(ख) कौन लड़का रमती को हर रोज़ देखने आता था?

(ग) रमती बेहोश कैसे हो गई थीं?

(घ) सुधीर ने रमती की किस प्रकार सेवा की?

(ङ) रमती सुधीर को क्या आशीर्वाद दिया करती थीं?

(च) रमती के आशीर्वादों ने सुधीर के जीवन को कैसे बदला?

(छ) किसने कहा, कब कहा और क्यों कहा–"यह अभिनंदन मेरा नहीं, बल्कि रमती दादी का है।" *(मूल्यपरक प्रश्न)*

2. प्रश्नों के सही उत्तर पर सही का निशान (✓) लगाइए –

(क) बुढ़िया का गुज़ारा किससे चलता था?

☐ पेंशन से ☐ ज़मीन की आय से ☐ बेटे की आय से

(ख) सुधीर ने बिस्तर पर किसे बेहोश पड़ा देखा?

☐ रमती दादी को ☐ एक मज़दूर को ☐ एक भिखारी को

(ग) रमती दादी के शरीर में किस चीज़ की कमी हो गई थी?

☐ खून की ☐ पानी की ☐ भोजन की

(घ) बड़ा होकर सुधीर किस पद पर पहुँचा?

☐ न्यायाधीश ☐ मंत्री ☐ जिलाधीश

(ङ) जिलाधीश का भाषण सुनकर पंडाल किसकी गड़गड़ाहट से गूँज उठा?

☐ तालियों की ☐ बिजली की ☐ पटाखों की

आपकी परख

आपके पड़ोस में भी कोई बीमार या असहाय हो सकता है। आप उसकी सहायता किस तरह से करेंगे? अपने साथियों को बताइए।

अनुमान एवं कल्पना

सुधीर की सेवा-भावना और उसके परिश्रम को देखकर आपको क्या सीख मिलती है, सोचकर बताइए।